

Participants : Gangwar Shri Santosh Kumar

an>

Title : Need to conduct an CBI enquiry into the matter of getting the answer sheets of Meerut University evaluated by students of Primary classes.

श्री संतो गंगवार (बरेली) : उपाध्यक्ष जी, मैं एक बहुत ही गम्भीर समस्या की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ का अभी एक प्रकरण प्रकाश में आया है और वह प्रकरण यह प्रकाश में आया कि वहाँ की स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच कक्षा पांच पास बच्चों से करवाई जा रही है, जिन्हें कोई भी जानकारी नहीं है। यह राज्य सरकार का विषय नहीं है। यूनिवर्सिटी ग्राण्ट्स कमीशन के अन्तर्गत सारे विश्वविद्यालय आते हैं और धारा 12 के अन्तर्गत यह भी निर्देश है कि तरीके और शिक्षा के स्तर में सुधार होगा। पर दुर्भाग्य यह है कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के अन्दर हजारों की तादाद में उत्तर पुस्तिकाएं सड़कों पर पड़ी हुई हैं और कक्षा पांच पास बच्चे उनकी जांच कर रहे हैं। जब बच्चों का साक्षात्कार हुआ कि तुम कक्षा पांच पास हो, फीज़ियोथैरेपी क्या है, जानते हो तो बोलें कि हमें उससे कोई मतलब नहीं है। जिस उत्तर पुस्तिका में अच्छा लेख लिखा है, उसको हमने ज्यादा नम्बर दे दिये हैं।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और उनके साथ समस्याएं पैदा हो रही हैं। दुर्भाग्य यह है कि कुलपति, जो विश्वविद्यालय के संरक्षक हैं, वे राजनीति में पड़े हैं और राजनैतिक आधार पर वे कोई फैसला नहीं ले रहे हैं। मेरा आपसे निवेदन है कि इस गम्भीर मामले में, क्योंकि इस शिक्षण संस्था की सारी डिग्रियों के ऊपर प्रश्नचिह्न लग गया है और भविष्य में बच्चों के लिए समस्या पैदा हो रही है। मैं चाहता हूँ कि केन्द्रीय सरकार इसकी जांच सी. बी.आई. से करवाये और यूनिवर्सिटी ग्राण्ट्स कमीशन इसको अपने स्तर पर लेकर उपयुक्त फैसला करे, जिससे बच्चों का भविष्य निर्धारित हो सके।